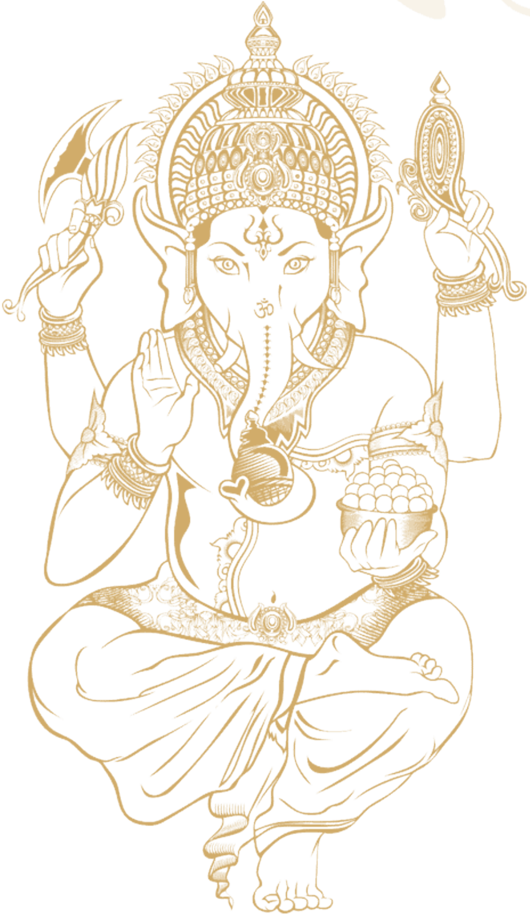

# Jai

12 Aug 1992

01:41 AM

Karol Bagh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120979605

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **11-12/08/1992** |
| दिन | मंगल-बुधवार |
| **जन्म समय** | **01:41:00 घंटे** |
| इष्ट | 49:41:50 घटी |
| **स्थान** | **Karol Bagh** |
| राज्य | Delhi |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:40:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:11:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:16 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 01:19:44 घंटे |
| वेलान्तर | -00:05:10 घंटे |
| साम्पातिक काल | 22:41:52 घंटे |
| सूर्योदय | 05:48:16 घंटे |
| सूर्यास्त | 19:04:04 घंटे |
| दिनमान | 13:15:48 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 25:37:29 कर्क |
| लग्न के अंश | 00:50:06 मिथुन |

### अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **मकर - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उत्तराषाढ़ा - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | आयुष्मान |
| करण | वणिज |
| गण | मनुष्य |
| योनि | नकुल |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | जी-जीवन |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 00:50:06 | 339:57:22 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | बुध | --- |
| सूर्य | | | कर्क | 25:37:29 | 00:57:34 | आश्लेषा | 3 | 9 | चंद्र | बुध | राहु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | मक | 08:15:25 | 11:52:08 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | शुक्र | सम राशि |
| मंगल | | | वृष | 16:56:43 | 00:39:05 | रोहिणी | 3 | 4 | शुक्र | चंद्र | शनि | सम राशि |
| बुध | व | | कर्क | 12:18:09 | 00:08:43 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | मंगल | शत्रु राशि |
| गुरु | | | सिंह | 23:31:34 | 00:12:09 | पू०फाल्गुनी | 4 | 11 | सूर्य | शुक्र | शनि | मित्र राशि |
| शुक्र | | | सिंह | 11:51:57 | 01:13:47 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | बुध | शत्रु राशि |
| शनि | व | | मक | 21:02:48 | 00:04:28 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | शुक्र | स्वराशि |
| राहु | व | | धनु | 06:00:59 | 00:05:25 | मूल | 2 | 19 | गुरु | केतु | राहु | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 06:00:59 | 00:05:25 | मृगशिरा | 4 | 5 | बुध | मंगल | चंद्र | नीच राशि |
| हर्ष | व | | धनु | 20:58:42 | 00:01:50 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | --- |
| नेप | व | | धनु | 22:58:25 | 00:01:18 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| प्लूटो | | | तुला | 26:25:48 | 00:00:24 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | केतु | --- |
| दशम भाव | | | कुंभ | 15:06:15 | -- | शतभिषा | -- | 24 | शनि | राहु | केतु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर

अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:32

## लग्न-चलित

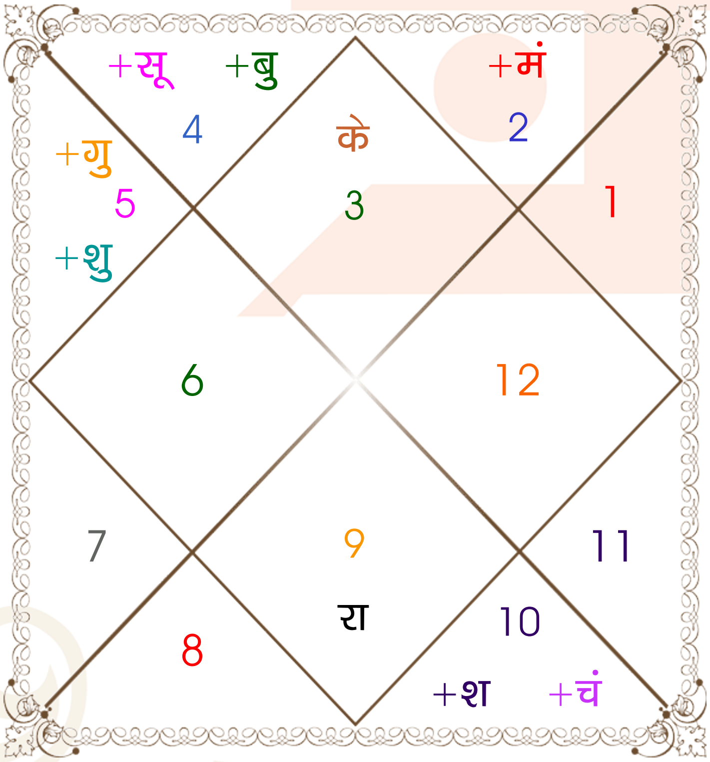


## चन्द्र कुंडली

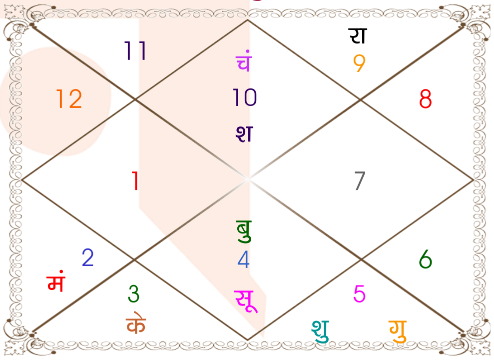


## नवमांश कुंडली

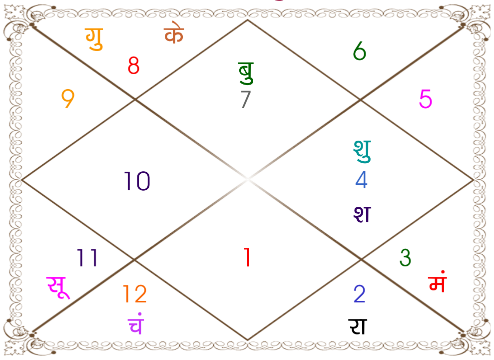

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 9 मास 12 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **12/08/1992** | **25/05/1993** | **26/05/2003** | **25/05/2010** | **25/05/2028** |
| **25/05/1993** | **26/05/2003** | **25/05/2010** | **25/05/2028** | **25/05/2044** |
| 00/00/0000 | चंद्र 25/03/1994 | मंगल 22/10/2003 | राहु 04/02/2013 | गुरु 13/07/2030 |
| 00/00/0000 | मंगल 24/10/1994 | राहु 08/11/2004 | गुरु 01/07/2015 | शनि 23/01/2033 |
| 00/00/0000 | राहु 24/04/1996 | गुरु 15/10/2005 | शनि 07/05/2018 | बुध 01/05/2035 |
| 00/00/0000 | गुरु 24/08/1997 | शनि 24/11/2006 | बुध 23/11/2020 | केतु 06/04/2036 |
| 00/00/0000 | शनि 26/03/1999 | बुध 21/11/2007 | केतु 12/12/2021 | शुक्र 06/12/2038 |
| 00/00/0000 | बुध 24/08/2000 | केतु 18/04/2008 | शुक्र 12/12/2024 | सूर्य 24/09/2039 |
| 00/00/0000 | केतु 25/03/2001 | शुक्र 18/06/2009 | सूर्य 05/11/2025 | चंद्र 23/01/2041 |
| 12/08/1992 | शुक्र 24/11/2002 | सूर्य 24/10/2009 | चंद्र 07/05/2027 | मंगल 30/12/2041 |
| शुक्र 25/05/1993 | सूर्य 26/05/2003 | चंद्र 25/05/2010 | मंगल 25/05/2028 | राहु 25/05/2044 |

| शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **25/05/2044** | **26/05/2063** | **25/05/2080** | **26/05/2087** | **27/05/2107** |
| **26/05/2063** | **25/05/2080** | **26/05/2087** | **27/05/2107** | **13/08/2112** |
| शनि 29/05/2047 | बुध 21/10/2065 | केतु 21/10/2080 | शुक्र 24/09/2090 | सूर्य 13/09/2107 |
| बुध 05/02/2050 | केतु 18/10/2066 | शुक्र 21/12/2081 | सूर्य 24/09/2091 | चंद्र 14/03/2108 |
| केतु 17/03/2051 | शुक्र 18/08/2069 | सूर्य 28/04/2082 | चंद्र 25/05/2093 | मंगल 20/07/2108 |
| शुक्र 16/05/2054 | सूर्य 25/06/2070 | चंद्र 27/11/2082 | मंगल 25/07/2094 | राहु 13/06/2109 |
| सूर्य 28/04/2055 | चंद्र 24/11/2071 | मंगल 25/04/2083 | राहु 25/07/2097 | गुरु 02/04/2110 |
| चंद्र 26/11/2056 | मंगल 20/11/2072 | राहु 13/05/2084 | गुरु 26/03/2100 | शनि 15/03/2111 |
| मंगल 05/01/2058 | राहु 10/06/2075 | गुरु 19/04/2085 | शनि 27/05/2103 | बुध 19/01/2112 |
| राहु 11/11/2060 | गुरु 15/09/2077 | शनि 28/05/2086 | बुध 26/03/2106 | केतु 26/05/2112 |
| गुरु 26/05/2063 | शनि 25/05/2080 | बुध 26/05/2087 | केतु 27/05/2107 | शुक्र 13/08/2112 |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।